Class Notes **B.A. Geography Part-2, Paper- IV, Unit-IV**

विश्व में मत्स्ययन
Fisheries in world

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

मछली प्राचीन काल से ही भोजन के रूप में उपयोग होते आया है । मछली सिर्फ भोजन ही नहीं बल्कि अनेक औद्योगिक पदार्थ भी प्रदान करती है, जैसे पशुओं को खिलाने वाले चारे में, सूखी मछली के रूप में, मछली के चूर्ण के रूप में रासायनिक उर्वरक बनाने के लिए, चर्बी और तेल भी प्राप्त किया जाता है । विश्व में जहां कहीं भी मानव सभ्यता समुद्र के किनारे या नदियों के किनारे रही है, मछली के रूप में भोजन प्राप्त करते आई हैं । आज यह कई देशों में एक उद्योग का रूप धारण कर चुकी है ।

मत्स्ययन के लिए अनुकूल दशाएं

मछलियां समुद्रों में प्लैंकटन नामक सूक्ष्म वनस्पति खाकर जिंदा रहती हैं । यानी कि प्लैंकटन ही उनका प्रमुख भोजन है । इसलिए जहां प्लैंकटन मिलेगा वहां मछलियाँ मिलेंगी ।

प्लैंकटन जिन अवस्थाओं में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है:

1. सूर्य का प्रकाश सूर्य का प्रकाश समुद्र में 100 मीटर की गहराई तक प्रवेश कर पाता है । इसलिए छिछले समुद्रों में प्लैंकटन अधिक मिलता है और मछलियां भी ।
2. नाइट्रोजन लवण और कार्बन की प्राप्ति: यह तीनों पदार्थ सोखकर प्लैंकटन मछलियों का भोजन बनाते हैं और यह तीनों जहां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं, मछलियां वहां अधिक पाई जाती हैं ।
3. ताजा जल: मछलियां छिछले सागरों में तथा नदियों के मुहाने पर ही अंडे देती हैं । इसलिए वहां भी अधिक मात्रा में मछलियां पाई जाती हैं ।
4. गर्म तथा ठंडी जलधारा मिलना: जहां कहीं गर्म और ठंडी जलधाराएं आपस में मिलती हैं, वहां प्रचुर मात्रा में प्लैंकटन पाया जाता है और मछलियां भी ।
5. कटा फटा समुद्री तट
6. विकसित नाविक कला
7. मछलियों की मांग
8. वैज्ञानिक विकास
9. परिवहन के साधन
10. घनी जनसंख्या के क्षेत्र के निकटता

मछली पकड़ने के ढंग / प्रकार

मछलियां चार किस्मों की होती है:

1. गहरे समुद्र की मछलियां
2. खुले समुद्र की मछलियां
3. छिछले समुद्र की मछलियां
4. ताजा जल की मछलियां : जो नदियों और झीलों में पकड़ी जाती हैं ।

मछलियों के आधार पर मछली पकड़ने की चार विधियां हैं

1. जाल अथवा कांटे द्वारा
2. फंदे द्वारा
3. भाले द्वारा
4. जहाजों द्वारा

<u>प्रमुख मत्स्य क्षेत्र</u>

मुख्य रूप से मछलियां समुद्र तथा नदी झील तालाबों में ही पकड़ी जाती हैं । इस प्रकार मत्स्य क्षेत्र को भी दो भागों में बांट सकते हैं:

1. मीठे जल के मत्स्य क्षेत्र या आंतरिक मत्स्य क्षेत्र
2. खारे जल के मत्स्य क्षेत्र अथवा समुद्री मत्स्य क्षेत्र: विश्व का लगभग 90% मछलियों का उत्पादन समुद्री जल की मछलियों का होता है ।

1. <u>मीठे जल या आंतरिक क्षेत्र:</u>

इसके अंतर्गत सभी देशों और महादेशों में नदियों, झीलों, तालाबों में मीठे जल की मछलियाँ प्राप्त की जाती हैं ।

समुद्री मत्स्य क्षेत्र

समुद्री मछली क्षेत्र को भी दो भागों में बांटा जा सकता है:

तटीय मछली क्षेत्र
खुले समुद्र के मछली क्षेत्र

<u>तटीय मछली क्षेत्र</u>

जो तट से संबंधित होते हैं और जिनकी गहराई 180 मीटर तक होती है । ऐसे क्षेत्र तट के निकट उथले तथा नदियों के मुहाने में स्थित हैं । इन्हीं क्षेत्रों में सबसे अधिक मछलियां पकड़ी जाती हैं । यह क्षेत्र उत्तरी प्रशांत तट पर ओरेगन से कनाडा, अलास्का, साइबेरिया होते हुए जापान तक फैला है ।

प्रमुख मछलियां: ओयस्टर, लोब्स्टर, शैलफिश, प्रोन, टरबट, क्रेट, हैड्रोक, मसल, कौम, शेड, सारडीन, हेरिंग, सालमन, कोड आदि ।

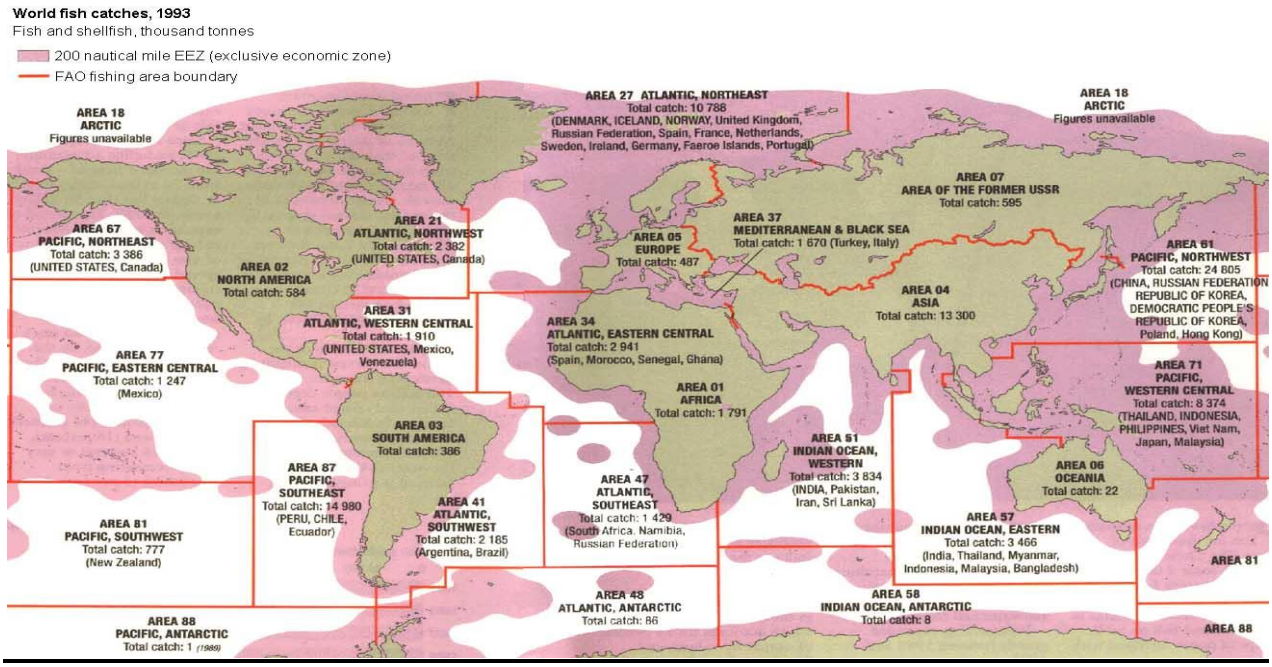

चित्र स्रोत: http://www.fao.org/3/u8480e/U8480E0F.HTM

विश्व के प्रमुख मत्स्य क्षेत्र

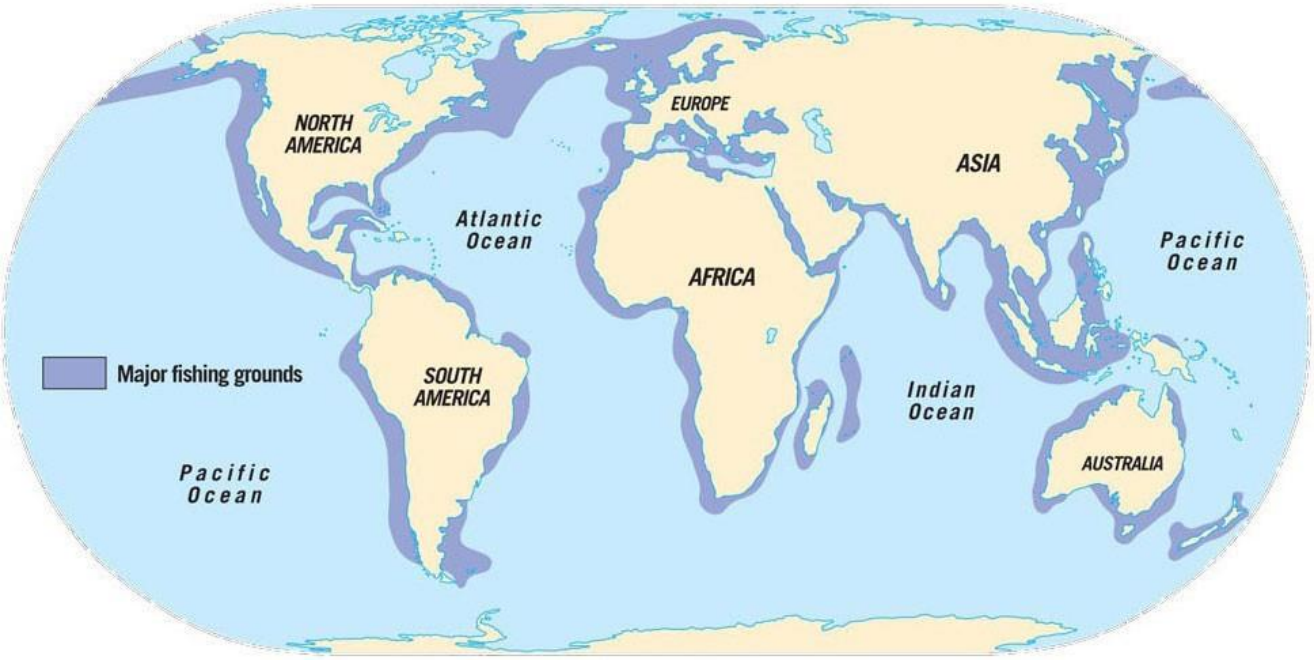

चित्र स्रोत https://www.q-files.com/geography/farming/fishing/

<u>खुले समुद्र की मछली क्षेत्र</u>

जहां समुद्री जल की गहराई 180 मीटर से अधिक होती है । ऐसे क्षेत्र उत्तरी अटलांटिक में स्पेन से श्वेत सागर तक और ग्रेट ब्रिटेन से लैब्राडोर तक और उत्तरी प्रशांत में दक्षिण चीन से उत्तरी कमचटका प्रायद्वीप तक फैले हैं ।

प्रमुख मछलियां: पिलचर्ड, कोड, हेरिंग, मकरेल, स्प्रट्स आदि है ।

<u>विश्व के महत्वपूर्ण मछली क्षेत्र</u>

इसमें मुख्यत: उत्तरी अटलांटिक और उत्तरी प्रशांत महासागर के क्षेत्र हैं, जैसे

उत्तर पश्चिमी यूरोपीय तटीय क्षेत्र
उत्तर अमेरिका का उत्तर पूर्वी तट
उत्तर अमेरिका का उत्तर पश्चिमी तट
एशिया का उत्तर पूर्वी तट

<u>उत्तर पश्चिमी यूरोपीय तट मत्स्य प्रदेश</u>:

यह विश्व का सबसे बड़ा मछली पकड़ने का क्षेत्र है, जिसमें ग्रेट ब्रिटेन, नार्वे, स्वीडन, आइसलैंड, डेनमार्क, नीदरलैंड, बेल्जियम, फ्रांस आदि देश के मछुआरे मछली पकड़ते हैं । .

प्रमुख मछलियां: लोब्स्टर, प्रोन, हैड्रोक, सारडीन, हेरिंग, कोड, हैडॉक, हैक, स्केट, ट्यूना, हैलीबट, सोल, मकरेल, वाइट फिश आदि ।

इस क्षेत्र में मत्स्य उद्योग की उन्नति के निम्नलिखित कारण हैं:

1. यहां का उत्तरी सागर एक छिछला समुद्र है जिसमें बैंकों की अधिकता है । इन बैंकों में मछलियों को अंडे देने की सुविधा है । साथ ही उन्हें आहार भी प्राप्त होता है ।
2. नार्वे आदि भागों में समुद्र तट कटा फटा है जिसके कारण मछली पकड़ने में स्टीमरों और जहाजों को सुरक्षित स्थानों की प्राप्ति हो जाती है ।
3. इस क्षेत्र में पश्चिम से उत्तरी अटलांटिक गर्म जलधारा आकर क्षेत्र के ठंडे जल में ऐसी दशाएं उत्पन्न कर देती हैं जो मछलियों के विकास के लिए अनुकूल है ।
4. ठंडी जलवायु के कारण मछलियां जल्दी खराब नहीं होती ।
5. क्षेत्र के नाविक प्राचीन काल से इस कला में निपुण है ।

<u>मछली पकड़ने के प्रमुख स्थान:</u> उत्तरी सागर (डागर बैंक), नार्वे तट, आइसलैंड, बाल्टिक सागर और खाड़ियाँ, उत्तरी आयरलैंड और पश्चिमी स्कॉटलैंड, बिस्के की खाड़ी, उत्तरी स्कॉटलैंड, आयरिश सागर, वाइट और वारंट सागर, इंग्लिश चैनल आदि । इसमें सबसे महत्वपूर्ण उत्तरी सागर है जिसके मध्य में 240 किलोमीटर लंबा और 112 किलोमीटर चौड़ा ***<u>डागर बैंक</u>*** है ।

<u>उत्तर अमेरिका का उत्तर पूर्वी तट मत्स्य क्षेत्र</u>

इस क्षेत्र में कनाडा (लैब्राडोर और न्यूफाउंडलैंड) और यूएसए के उत्तर पूर्वी भाग के मछुआरे अटलांटिक तट पर मछली पकड़ते हैं । यहां खुले समुद्र के बीच कई बैंक हैं जो मछलियों के भंडार हैं । जैसे:

- ग्रैंड बैंक
- जॉर्ज बैंक
- सेबलदीप बैंक
- सेट पीरो बैंक
- बन्क्वेवेरो बैंक
- ला हेव बैंक

इसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण और सबसे बड़ा ***ग्रैंड बैंक*** है जिसका क्षेत्रफल 64000 वर्ग किलोमीटर है । प्रमुख मछलियां: लोब्स्टर, ओएस्टर, सारडीन, हेरिंग, कोड, हैडॉक, हैक, हैलीबट, मकरेल आदि ।

उत्तर अमेरिका का उत्तर पश्चिम मत्स्य क्षेत्र

इस क्षेत्र में कनाडा तथा यूएसए (जिसमें अलास्का भी सम्मिलित है) के मछुआरे उत्तर अमेरिका के उत्तरी प्रशांत तट पर मछली पकड़ते हैं । यह क्षेत्र अलास्का से कैलिफोर्निया तक फैले हुए हैं । इस क्षेत्र में मछली उद्योग के विकसित होने के निम्नलिखित कारण है:

- तट का कटा फटा होना
- तट पर छोटे-छोटे द्वीपों का पाया जाना
- तट से होकर अनेक नदियां समुद्र में गिरती हैं
- ठंडी या गर्म जलधारा किनारे से निकट होकर बहती है
- यूएसए और कनाडा की सरकार सतत प्रयत्नशील है और
- अन्य वैज्ञानिक सुविधाएं हैं

क्षेत्र की प्रमुख मछली: सारडीन, हेरिंग, कोड, ट्यूना, हैलीबट, सालमन फिश आदि ।
प्रमुख केंद्र: विक्टोरिया, वैंकूवर, पोर्टलैंड, प्रिंस रूपर्ट और सिएटल ।

एशिया का उत्तर पूर्वी तटीय मत्स्य क्षेत्र

क्षेत्र का विस्तार जापान दीप के चारों ओर है जिसमें जापान, चीन, ताइवान, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया, पूर्वी रूस के क्षेत्र आते हैं । यहां उत्तर से ठंडी क्युराइल धारा और दक्षिण से गर्म क्युरोशियो धारा आपस में मिलते हैं जिससे यह मछली उद्योग काफी उन्नत हो गया है ।

प्रमुख मछलियां: कटलफिश, शार्क, बोनिटो, सारडीन, हेरिंग, कोड, हैडॉक, ट्यूना, हैलीबट, सोल, मकरेल, आदि ।
मछली उद्योग के विकास होने के कारण:

- सघन जनसंख्या
- मछली चावल खाने का प्रचलन
- कृषि योग्य भूमि का कम होना
- शीतोष्ण जलवायु
- गर्म और ठंडी धाराओं का मिलना आदि

<u>विश्व के गौण मत्स्य क्षेत्र</u>

इसके अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्र है:

उत्तर अमेरिका का खाड़ी क्षेत्र, कैलिफोर्निया के दक्षिण तट क्षेत्र, भूमध्यसागरीय क्षेत्र, बिस्के की खाड़ी, हिंद महासागर भारत तट, दक्षिण अफ्रीका तट, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के तटीय प्रदेश आदि ।

इस प्रकार मत्स्य उद्योग विश्व के प्राचीनतम उद्योगों में से एक है । यह एक प्राथमिक क्रिया कलाप है । आज वैज्ञानिक तकनीक के दौर में यह उद्योग उन्नति कर गया है । मछलियों के विविध उपयोग के कारण यह कई देशों का प्रमुख उद्योग बन गया है ।

सन्दर्भ: सन्दर्भ: आर्थिक भूगोल के मूल तत्व - ज्ञानोदय प्रकाशन, आर्थिक भूगोल - SBPD प्रकाशन

****